61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 641 Participant Code: 105

मुझे जो कहना था

मुझे जो कहना था
वो मैं कह नही पायी,
काश आप अभी भी होते
बदल दिया मुझे आपकी विदाई।

आ रही थी मैं सब्जी लाकर
तब देखा लोगों को घर के बाहर,
गहरी नींद में थी आप
लेकिन उठा नही मेरे बुलाने के बाद।

उठाने की कोशिश बहुत की
लेकिन माँ आप उठा ही नही,
यकीन नही होती कि
आप मुझे छोड़कर गई।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

आपके जाने के बाद
हुई घर अधूरी,
बन गई मेरी जीवन
खाई खाई।

माँ, कौन बनाएगा अब मुझे खाना
कौन पढ़ाएगा मुझे जीना,
कौन सिखाएगा सही
कौन सुधारेगा गलत।

हो गई देर मुझको
आपसे बात बताने को,
पर नही किया बातें आपसे
आओगे कब आप वापस।

आपको आँगन में लौटाने की
बहुत थी मुझे आशा,
लेकिन आप इतनी जल्दी जाने का
था ही नही मुझे प्रतीक्षा।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

मेरी लापरवाई के वजह से
खो गई जीवन के हिस्से,
समझी नही मैं उस वक्त
आपकी प्यार के प्राधान्य तत्व।

माँ, आपके बिना जीवन नही जाता
आपके इक-इक पल मुझे याद आता,
क्या इक और मौका मिलेगा मुझे
कि माफ़ी माँगनी थी तुझे।

नजाने मैंने कितनी गलती की
सारी गलती सुधारी आपने,
अब कौन सुधारेगा
गलती मेरे सारे।

काश मैं करती आपसे बातें
काश मैं लाती सारी चीज़ें,
काश मैं बिताती साथ समय
क्या आप करेंगे मेरे गलती माफी।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

मैंने तुम्हें बहुत दर्द दिया
ध्यान न दी तुम्हारी बातें,
अब मुझे जीना पड़ा
कठिन और अधूरी रातें।

फूल जैसे आपके चहरे को
मुरझा दिया मैंने,
जब पानी देती हैं
तब ही तो फूलें चमकेगी।

मुझे जो कहना था
वो मैं कह नहीं पायी,
माँ, वापस आओ न
तेरी याद बहुत आयी।

* * * * *

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)